

कोरोना वायरस से जुड़े 90% डोमेन फर्जी

यूएन के अनुसार सभी देशों में कोविड के दौरान साइबर क्राइम 350% बढ़ा है।

एंटी वायरस कंपनियों ने भी ऐसे मामले 350-500% बढ़ने की रिपोर्ट दी है।

इंटरपोल के अनुसार फिशिंग ईमेल और फ्रॉड 59% बढ़ा।



इस साल अगस्त तक साइबर सिक्युरिटी से जुड़ी 6.96 लाख घटनाएं हुईं, जबकि 2019 में यह सिर्फ 3.94 लाख थीं।

ब्रूट फोर्स अटैक (पासवर्ड पर हमला) भी 400% बढ़ा है।

कोरोना वायरस से जुड़े जितने डोमेन बने हैं, उनमें 90% फर्जी हैं।

मार्च में ही कोविड जुड़े ईमेल स्कैम 667% बढ़ गए थे।

परिचित बनकर ऐसे देते हैं झांसा

- जालसाज व्यक्ति आपको फोन कर पहले अपना परिचित बताकर अपनी आवाज पहचानने के लिए बोलते हैं
- जब आप उसकी आवाज को पहचानते हुए किसी अपने परिचित का नाम बताते हैं, तो वो व्यक्ति आपका परिचित बनकर, अपनी मजबूरी बताकर या आपके पास पैसे भेजकर किसी अन्य को देने के नाम पर आपसे पैसे की मांग करता है
- इसके बाद आपके अकाउंट की जानकारी लेकर पैसे निकाले जाते हैं





इनके जरिए हो रहे हैं ऑनलाइन फ्रॉड



ऑनलाइन फ्रॉड से बचने के लिए इन बातों का रखें ध्यान



ऐसे चुराया जाता है ओटीपी (OTP)

फ्रॉड लोग इस ओटीपी (OTP) को चुराने की कोशिश करते हैं।

इसके लिए फ्रॉड लोग फेक कॉल करते हैं और अपने को बैंक या संबंधित कंपनी का कर्मचारी बताते हैं, इसके अलावा मालवेयर साफ्टवेयर का सहारा लेते हैं और इससे भी आपकी जानकारी चुराते हैं

ऐसे लोग जब आपसे फोन पर बात करेंगे तो अपने बैंक का अधिकारी बताते हैं

यह लोग डेबिट और क्रेडिट कार्ड बंद होने की बात कह कर लोगों को भ्रम में डालते हैं

ऐसे लोग जब आपसे फोन पर बात करेंगे तो अपने बैंक का अधिकारी बताते हैं



मोबाइल पर ऐसे होता है धोखा

अगर आप टू कालर का इस्तेमाल मोबाइल फोन पर करते हैं, तो डिस्प्ले पर दिखने वाले नाम पर भरोसा न करें

कई बार टू कालर बैंक से जुड़े लोगों के नाम दिखाता है या बैंक का ही नाम दिखाता है

यह लोग बैंक खाताधारकों से बैंक खाते और अन्य जानकारी मांगते हैं

अक्सर यह लोग वन टॉइम पासवर्ड (One Time Password) यानी ओटीपी (OTP) वाले मैसेज को पूरा पढ़ने को कहते हैं, जिससे उनको पासवर्ड का पता चल जाता है

बाद में इसी ओटीपी (OTP) से फ्रॉड करके पैसा निकाल लिया जाता है।

QR CODE फ्रॉड

जालसाज आपके सोशल मीडिया ऐप पर QR CODE भेज कर अकाउंट में पैसे रिसीव करने के लिए QR कोड को स्कैन करने के लिए कहते हैं

कैसे बचें

ध्यान रखें QR कोड का इस्तेमाल केवल पैसे भेजने के लिए होता है न कि पैसे रिसीव करने के लिए

रिमोट एक्सेस ऐप से फ्रॉड

जालसाज, लोगों को स्क्रीनशेयरिंग ऐप इंस्टॉल करने के लिए कहते हैं, ये ऐप इनस्टॉल होते ही जालसाज आपके फोन की सारी गतिविधियों को रिकॉर्ड कर सकते हैं

कैसे बचें

स्क्रीनशेयर, ऐनीडेस्क, टीमव्यूअर जैसे स्क्रीनशेयरिंग ऐप किसी के कहने पर इनस्टॉल न करें, खुद की सहूलियत के लिए ये ऐप स्वतंत्रताक नहीं हैं लेकिन फ्रॉड इनका गलत इस्तेमाल कर सकते हैं